राष्ट्रीय संगोष्ठी

16 दिसम्बर 2022

भारतीय ज्ञान परम्परा एवं आधुनिक समाज में चुनौतियाँ

उप विषय :– *स्वदेशी व स्वावलंबी अर्थ व्यवस्था *सांस्कृतिक राष्ट्रवाद *भारतीय संस्कृति से शान्ति तथा समृद्धि * भारतीय जीवन शैली में प्रकृति संरक्षण * सामाजिक समरसता एवं भारतीय समाज* प्राचीन भारत में ज्ञान-विज्ञान* प्राचीन भारत में उन्नत स्थापत्य कला * प्राचीन भारतीय शिक्षण व्यवस्था तथा समाज आदि ।

सभ्यता के विकास और फिर उसके सम्वर्धन में भारतीय ज्ञान की एक महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वेद जिसे आज धार्मिक ग्रन्थ की दृष्टि से संकुचित भाव से लोग देखते है वास्तव में ज्ञान विज्ञान का अद्भुत भण्डार हैं। भारत, जिसका दर्शन भूमण्डल या वैश्विक व्यवस्था तक ही सीमित नहीं था वरन् इसका विस्तार पूरे ब्राह्मांड तक था। आज के विश्व की बात करें तो जिन दिनों आक्सफोर्ड जैसे विश्वविद्यालयों की नींव रखी जा रही थी लगभग उसी समय भारत के नालंदा विश्वविद्यालय के पुस्तकालयों को आक्रमणकारियों द्वारा जलाया जा रहा था। नालंदा जैसे विश्वविद्यालयों के माध्यम से भारत दुनिया भर में ज्ञान का प्रकाश तब भी फैला रहा था जब कहीं अन्यत्र इसकी कल्पना भी नहीं थी। कहा जाता है कि उस समय पूरी दुनिया से लगभग 10 हजार छात्र नालंदा वि.वि. के आवासीय व्यवस्था में रहकर पढ़ाई किया करते थे।

भारतीय ज्ञान परम्परा में शिक्षा का उद्देश्य लौकिक और परालौकिक समस्याओं को जानने और उनके समाधान तक विस्तृत थी व्यक्तिगत जीवन से लेकर समाज के हर पहलू पर समग्र चिन्तन होता था। शायद इसलिए कहा जाता है कि'' सा विद्या या विमुक्तियें'' ।

डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा की स्थापना 1927 में हुई थी। जिससे निकलकर आज कई अन्य विश्वविद्यालय बन चुके हैं तथा इसके पुरातन छात्र पूरे विश्व में अनेक क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान से इसका नाम गौरवान्वित कर रहे हैं।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ शिक्षा के क्षेत्र में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के वैचारिक अधिष्ठान को लेकर भारतीयता से ओत-प्रोत शिक्षा एवं समाज की संकल्पना वाला संगठन है। महासंघ शिक्षकों के वेतन, भत्ते, सेवाशर्तों व अन्य सुविधाओं के लिये प्रयत्न करने के साथ - साथ अपने राष्ट्रीय लक्ष्य को ध्यान में रखकर शैक्षिक उन्नयन तथा सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों की योजना एवं उनकी क्रियान्वित करता है। तदनुरूप वर्ष 1988 में पूर्व प्राथमिक से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक के सम्पूर्ण राष्ट्र के शिक्षकों का राष्ट्रीयता एवं भारतीय जीवनधारा के भाव वाला संगठन अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ का विधिवत् प्रारम्भ हुआ । अब महासंघ देशव्यापी है। 24 राज्यों के 35 राज्य स्तरीय संगठन तथा 50 से अधिक विश्वविद्यालयों के संगठन महासंघ में सम्बद्ध हैं।

डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय तथा राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित इस एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के विभिन्न भागों से आये हुए विद्वान समाज में व्याप्त विभिन्न पहलुओं पर चिन्तन मनन करते हुए अपने विचार रखेगें जिसके कुछ मुख्य सुझावों को सरकार तथा सक्षम विभागों /निकायों को उसके कार्यान्वयन हेतु भेजा जायेगा। कुछ उच्चस्तरीय शोध पत्रों को राष्ट्रीय और अन्तराष्ट्रीय शोध - पत्रों में भी प्रकाशित किया जायेगा।

राष्ट्रीय संगोष्ठी – 16 दिसम्बर 2022

भारतीय ज्ञान परम्परा एवं आधुनिक समाज में चुनौतियाँ

पंजीयन प्रपत्र

1. नाम.....2. महाविद्यालय व विश्वविद्यालय.....

3. शोध पत्र का शीर्षक.....

4. आगमन की तिथि व समय.....5. प्रस्थान की तिथि व समय .....6. पंजीयन शुल्क का विवरण.....शुल्क रू.

चेक /ड्राफ्ट / RTGS का नम्बर तथा.....7. शोध वाचन/प्रस्तुति करण हेतु वांछित समय.....मिनट

8. मोबाईल नं. ..... 9. ई-मेल..... 10. संगठन में दायित्व.....

हस्ताक्षर

पंजीयन शुल्क – शिक्षक .....रू. 200 मात्र

शोधार्थी .....रू. 200 मात्र

चेक / ड्राफ्ट/RTGS के माध्यम से जमा किया जात सकता है

वित्त अधिकारी

डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

बैंक का नाम- **इण्डियन बैंक,** शाखा - खन्दारी, खाता संख्या- 21321474039, **ISFC Code : IDIB000K677**

शोध सारांश भेजने तथा पंजीयन की अंतिम तिथि - 14 दिसम्बर 2022, **संगोष्ठी की तिथि व समय** 16 दिसम्बर 2022, प्रात: 9 बजे से सायं 5 बजे तक

पंजीयन प्रपत्र को भरकर ithm2020@gmail.com भेज सकते है।

सम्पर्क सूत्र : डॉ. निर्मला यादव– 9927855900, प्रो. लवकुश मिश्रा–9412256938

प्रो. उमेन्द्र नारायण शुक्ल– 9897609304

मार्गदर्शक मण्डल

प्रो. आशु रानी
कुलपति
डॉ. भीमराव आंबेडकर, वि.वि., आगरा

प्रो. जे.पी. सिंघल
राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ
पूर्व कुलपति - राजस्थान वि.वि., जयपुर

श्री महेन्द्र कपूर जी
राष्ट्रीय संगठन मंत्री
अखिल भारतीय
राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ

श्री महेन्द्र कुमार जी
राष्ट्रीय प्रभारी (उच्च शिक्षा)
अखिल भारतीय
राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ

समन्वयक मण्डल

डॉ. निर्मला यादव
प्रदेश अध्यक्ष
राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उ.प्र.
मो. - 9927855900

प्रो. संजय मेघावी
प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष
राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उ.प्र.
लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
मो.-9455925500

डॉ. ऋषि देव त्रिपाठी
महामंत्री
राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उ. प्र.
मो. 9450628192

डॉ. विजय कुमार श्रीवास्तव
प्रदेश महामंत्री (उच्च शिक्षा संवर्ग)
गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
मो. 9415277941

डॉ. दिलीप सरदेसाई
संगठन मंत्री (उच्च शिक्षा संवर्ग)
राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उ.प्र.
मो.- 9919173043

डॉ. देवी सिंह नरवार
वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष
राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उ.प्र.
मो.- 9410251242

डॉ. कमल कौशिक
संयुक्त सचिव
राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उ. प्र.
मो. - 7017487969

प्रो. यू. एन. शुक्ल
निदेशक
पर्यटन एवं होटल प्रबन्धन संस्थान
डॉ. भीमराव आंबेडकर वि.वि., आगरा
मो.- 9897609304

आयोजन समिति

प्रो. लवकुश मिश्रा
प्रदेश अध्यक्ष(उच्च शिक्षा संवर्ग)
राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उ.प्र.
सेमिनार संयोजक
संकायाध्यक्ष : प्रबन्धन संकाय
डॉ. भीमराव आंबेडकर वि.वि., आगरा
मो.- 9412256938

डॉ. युवराज सिंह
आयोजन सचिव
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
आर.बी.एस. कॉलेज, आगरा
मो.- 9897137484

डॉ. छगन लाल शर्मा
सह संयोजक
विभागाध्यक्ष
संस्कृत विभाग
आर.बी.एस. कॉलेज, आगरा
मो.- 9971319565

तकनीकि सहयोग

श्री अमित कुमार साहू – 9074660661, श्री कुलदीप यादव –मो. 98970887591